→ इस मरुस्थल मे लवणीय | खारी मिट्टी का विस्तार है।

→ **मरुस्थल मे खारे पन के कारण**

1. टेथिस सागर का अवशेष
2. इयोसीन प्लिस्टोसीन काल मे समुद्र
3. भूगर्भ मे माईकाशिष्ट लवणीय चट्टानो का विस्तार

→ 50 सेमी वर्षा रेखा पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश को पूर्वी मैदानी भाग व दक्षिणी पूर्वी पठारी प्रदेश से अलग करती है।

नोट ~ 50 सेमी वर्षा रेखा अरावली पर्वत माला को माना जाता है।

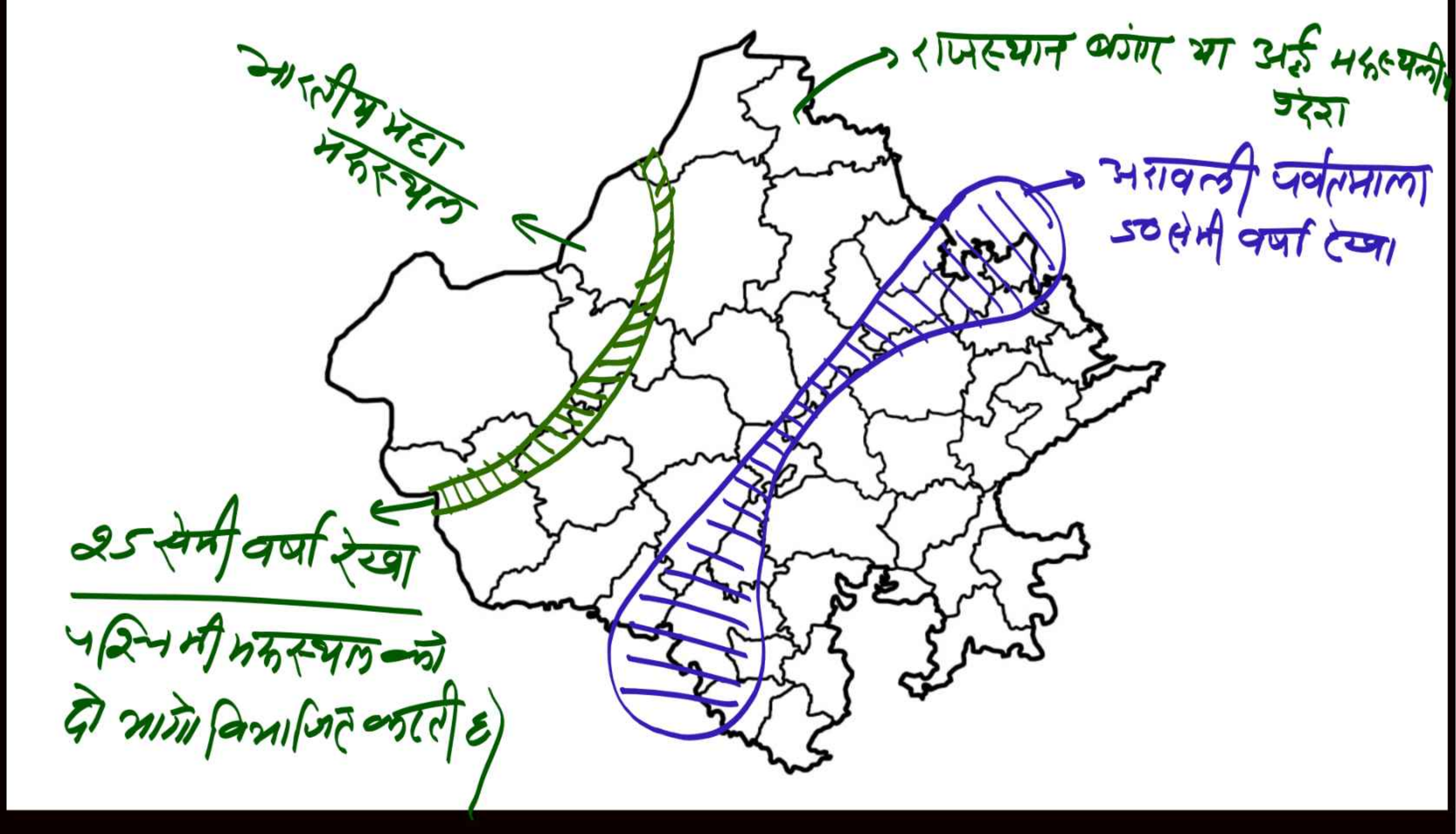

भारतीय महा मरुस्थल
राजस्थान बांगर या अर्द्ध मरुस्थली प्रदेश
अरावली पर्वतमाला
50 सेमी वर्षा रेखा
25 सेमी वर्षा रेखा
पश्चिमी मरुस्थल को दो भागों विभाजित करती है

→ 25 सेमी वर्षा रेखा पश्चिमी मरुस्थल को दो भागों में विभाजित करती है)

(2) भाग

(1) भारतीय महा मरुस्थल

→ विस्तार जिलों में → श्रीगंगानगर, बीकानेर, फलौदी, जोधपुर, बालोतरा जैसलमेर बाड़मेर

→ भाग → धरातलीय स्थिति के आधार पर = (2)

- (1) बालुका स्तूप युक्त प्रदेश
- (2) बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश

(2) राजस्थान बाँगर | अर्द्ध मरुस्थलीय प्रदेश

→ भाग = (4)

1. घग्घर का मैदान
2. शेखावाटी प्रदेश
3. नागौर जोधपुर का उच्च स्थलीय क्षेत्र
4. लूणी नदी बेसिन / गोड़वाड़ बेसिन

① **भारतीय महा मरुस्थल :→**

- ↳ विस्तार → श्री गंगानगर, बीकानेर, फलौदी, जोधपुर, बालोतरा, जैसलमेर, बाड़मेर
- ↳ भाग = ②

(A) **बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र :→** (वह क्षेत्र जिसमे रेत के टिल्ले हो)

- → यहाँ टर्शियरी कालीन चट्टानों का विस्तार
- → यह क्षेत्र → 58.50% पर फैला
- → टर्शियरी कालीन चट्टानों का मुख्य उदाहरण - खनिज तेल (बाड़मेर), कोयला (↳ बीकानेर) व प्राकृतिक गैस (↳ जैसलमेर) के प्रचुर भण्डार है।

③ बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र

→ यहाँ पर प्रागैतिहासिक कालीन चट्टानों का विस्तार है जिसका मुख्य उदाहरण → ① आकल वुड फॉसिल पार्क (जैसलमेर)

→ 18 हजार करोड़ वर्ष पुराना

② थार का तल - 41.5%

③ बाप क्षेत्र = जोधपुर, फलौदी

→ विस्तार → 41.50% क्षेत्र पर

प्रमुख बालुका स्तूप :→

① बरखान / अर्द्ध चन्द्राकार बालुका स्तूप :→

↳ वायु द्वारा अधिक मिट्टी अपरदन से वनस्पति विहिन क्षेत्रों मे बनते है।

→ ये बालुका स्तूप स्थानांतरित व गतिशील होते है।

→ ऊँचाई - 10-20 मीटर, चौड़ाई - 100-200 मीटर

→ बरखान बालुका स्तूपो से अधिक मिट्टी अपदित होने पर पथरीली जमीन निकल आती है जिसे नली / ढांड कहते है।

- क्षेत्र → भालेरी (चुरू), सुरतगढ़ (श्रीगंगानगर), लूणकरणसर (बीकानेर)